रात्रि क्लास– 14/9/68 :– तुम बच्चों को है नॉलेज का नशा तो जरूर खुशी होती होगी। दिन प्रतिदिन खुशी बढ़ने की है ताकि वह अवस्था हो जावेगी। खुशी बढ़ती है बाप को याद करने से। जितना याद करेंगे बाप को बहुत प्रेम से और ज्ञान सहित तो खुशी का पारा बहुत चढ़ेगा। तबीयत ठीक नहीं रहती है तो भी बाप की याद में रहना अच्छा है। याद से ही सदैव के लिए तन्दुरुस्त बनते हैं। इस समय याद ही सबसे ऊँच है। याद से ही बेड़ा पार होता है। सतोप्रधान सुखधाम को कहा जाता है। वहाँ है शान्ति। तुम बच्चों को जैसे याद है ऐसा और कोई को याद नहीं हो सकता। नॉलेज तो सारी आ गई। बाप बीजरूप है वह नॉलेज देंगे सारे झाड़ की। वह सत्य है, चैतन्य है, आनन्द स्वरूप है। गाया जाता है रीलिजन इज़ माइट। बच्चों को यह बुद्धि में याद रहे तो भी सारा चक्र बुद्धि में आ जाये। बेहद के बाप से मिलना होता है तो भी खुशी बहुत होती है। तबीयत खराब होती है, यह खिट–2 रावण राज्य में ही होती है। तुम जानते हो हम रावणराज्य पर जीत पहन लेंगे। बाकी थोड़ा टाइम है। तुम बच्चे जानते हो सेकण्ड में बेहद के बाप द्वारा विश्व की बादशाही मिलती है। यह भी तुम लिख सकते हो एक सेकण्ड में विश्व की बादशाही कैसे मिल सकती है आकर के समझो। थोड़ा ही शॉर्ट में लिख दो। इसका सलाइड्स बनेगा। बहनों–भाइयों आकर समझो एक सेकण्ड में विश्व की बादशाही मिल सकती है। फिर सेन्टर्स की एड्रेस भी हो। दो वा तीन सेन्टर्स हों तो तीनों एड्रेस डालनी है। तो मनुष्य वन्डर खावेंगे। विश्व की बादशाही तो बाप के बिगर कोई दे नहीं सकता है। कोई भी आकर पूछे यह क्या लिखा है? बोलो, इन्हों को मिली थी। न थी .... मिली है। तुम भी ले सकते हो। अनुभव से कहते हो हम भी पुरुषार्थ कर ले रहे हैं। वास्तव में है इशारे की बात; परन्तु माया घेराव करती है। बेहद का बाप मिला तो बादशाही जरूर मिलेगी; परन्तु याद की यात्रा जरूरी है। तो आत्मा पवित्र बन जाये। विश्व की बादशाही अपवित्र ले न सके। यह बैज बहुत अच्छी चीज़ है। इससे तुम बहुत सर्विस कर सकते हो। बैज तुम्हारा लाखों, करोड़ों खपेंगे। सभी को समझाना सहज हो जावेगा ब्रह्मा द्वारा स्थापना, विष्णु द्वारा पालना, ब्रह्मा द्वारा तो नई दुनिया की बादशाही भी मिलती है यह है बेहद के बाप का वरसा। पैगाम तो सभी को देना ही है। घर–2 में भी यह बोर्ड लगा दो। तुम जानते हो तब तो लिखते हो ना। तुम भी बोर्ड लगावेंगे तो समझेंगे इन्हों को सेकण्ड में विश्व की बादशाही मिलती है। थोड़ा भी सुनेंगे सतयुग में आ जावेंगे। दुनिया में कोई भी समझते नहीं हैं हम रावणराज्य में हैं। तुम बच्चे जानते हो यह पुरानी दुनिया बदल रही है। अपार दुख की दुनिया बदल, अपार सुख की दुनिया बन रही है। त्रिमूर्ति चित्र पर तुम बहुत अच्छा समझा सकते हो। ब्राह्मण कुल से फिर हम विष्णु की बादशाही में जावेंगे। फिर 84 का चक्र लगाये आ ब्राह्मण कुल में बैठते हो। नॉलेज कितनी सहज है। यह सबक है ना। कोई भी हो उनको समझाओ। बाप द्वारा यह विश्व की बादशाही मिलती है तो बाप को और स्वर्ग को याद करो। बच्चों को भी समझाते रहो। तो होशियार हो जावेंगे। सबको कहते रहेंगे बाप को याद करो। अच्छा बच्चों को गुडनाइट और नमस्ते।